माँ नंदा-सुनंदा महोत्सव

चर्चा में क्यों

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने **नैनीताल** में **माँ नंदा-सुनंदा महोत्सव, 2024** का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया और लोगों को उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में महोत्सव की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

- **माँ नंदा-सुनंदा महोत्सव**
  - प्रतिवर्ष सितंबर में उत्तराखंड के **कुमाऊँ क्षेत्र में नंदाष्टमी त्योहार** के दौरान देवी **नंदा और सुनंदा** की याद में मनाया जाता है।
    - **अल्मोड़ा, नैनीताल, कोट अलोंग, भोवाली और जोहार** जैसे स्थानों में देखा गया।
- मुख्यमंत्री ने अल्पाइन घास के मैदानों को हिमालय की '**अनमोल विरासत**' बताते हुए इनके संरक्षण के लिये **2 सितंबर** को **बुग्याल संरक्षण दिवस** मनाने की घोषणा की।

बुग्याल

- उत्तराखंड में उच्च ऊँचाई वाले अल्पाइन घास के मैदान स्थित हैं, जिन्हें "बुग्याल" के नाम से जाना जाता है।
  - ये घास के मैदान 3,000 मीटर (10,000 फीट) से अधिक ऊँचाई पर स्थित हैं और अपनी समृद्ध वनस्पतियों के लिये जाने जाते हैं।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:** बुग्याल क्षेत्र की जैवविविधता के लिये महत्त्वपूर्ण हैं, जो विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीवों को पोषण देते हैं।
  - वे पशुओं के लिये चारागाह के रूप में काम करते हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- **उत्तराखंड के लोकप्रिय बुग्याल**
  - **दयारा बुग्याल:** अपने विशाल घास के मैदानों और आश्चर्यजनक दृश्यों के लिये जाना जाता है।
  - **बेदनी बुग्याल:** यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ट्रैकिंग स्थल के रूप में प्रसिद्ध है।
  - **औली बुग्याल:** अपने मनोरम दृश्यों और जैवविविधता के लिये प्रसिद्ध, औली **नंदा देवी, कामेट एवं दूनागिरी** की विशाल बर्फीली चोटियों के बीच स्थित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maa-nanda-sunanda-mohatsav